

अध्याय 7

कबीर की साखियाँ

1 अंक वाले प्रश्न

1. कबीर की साखियाँ किसे दर्शाती हैं?

उत्तर: कबीर की साखियाँ मानवता के भेदभाव को दूर करने, सहिष्णुता को प्रोत्साहित करने और भक्ति के माध्यम से दिव्यता को अनुभव करने का संदेश देती हैं।

2. कबीर की साखियों में कौन-कौन से विषय होते हैं?

उत्तर: कबीर की साखियों में मानवता, ईश्वर, धर्म, संगीत, भक्ति, और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया जाता है।

3. कबीर की साखियों का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर: कबीर की साखियों का मुख्य संदेश है समझदारी, समता, और धार्मिक सहिष्णुता का प्रमोट करना।

4. कबीर की साखियों में कौन-कौन से विचार दिए गए हैं?

उत्तर: कबीर की साखियों में भावनापूर्ण विचार, जीवन के वास्तविकता का सामना करने की प्रेरणा, और ईश्वरीय भक्ति के संदेश दिए गए हैं।

5. कबीर की साखियों का क्या महत्त्व है?

उत्तर: कबीर की साखियाँ मानवता, समझदारी, संगीत, और भक्ति के लिए एक महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं।

6. कबीर की साखियों में कौन-कौन से लोगों की भावनाएं दिखाई गई हैं?

उत्तर: कबीर की साखियों में लोगों की भावनाओं, जैसे कि प्रेम, विश्वास, आत्म-परिश्रम, और समर्थन की भावनाएं दिखाई गई हैं।

7. कबीर की साखियों का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर: कबीर की साखियों का मुख्य उद्देश्य मानवता को ए

8. कबीर की साखियाँ किसे दर्शाती हैं?

उत्तर: कबीर की साखियाँ मानवता को एक साझा माध्यम के रूप में दर्शाती हैं जो धार्मिक और सामाजिक संदेशों को सरल रूप में पहुंचाती हैं।

9. कबीर की साखियाँ क्या होती हैं?

उत्तर: कबीर की साखियाँ हिंदी साहित्य में विशेष रूप से एक प्रकार की छंदबद्ध भक्ति-गीत होती हैं जो धार्मिक और नैतिक संदेशों को सुलझाती हैं।

10. कबीर की साखियाँ किसे शिक्षा देती हैं?

उत्तर: कबीर की साखियाँ हमें शिक्षा देती हैं कि सच्चे भक्ति, समता, संगीत, और सहिष्णुता का महत्त्व है और हमें इसे अपने जीवन में उतारना चाहिए।

2अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1:

‘तलवार का महत्त्व होता है, म्यान का नहीं’ – उक्त उदाहरण से कबीर क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

‘तलवार का महत्त्व होता है, म्यान का नहीं’ से कबीर यह कहना चाहता है कि असली चीज़ की कद्र की जानी चाहिए। दिखावटी वस्तु का कोई महत्त्व नहीं होता। इसी प्रकार किसी व्यक्ति की पहचान अथवा उसका मोल उसकी काबलियत के अनुसार तय होता है न कि कुल, जाति, धर्म आदि से। उसी प्रकार ईश्वर का भी वास्तविक ज्ञान जरूरी है। ढोंग-आडंबर तो म्यान के समान निरर्थक है। असली बहम को पहचानो और उसी को स्वीकारो।

प्रश्न 2:

कबीर घास की निंदा करने से क्यों मना करते हैं। पढ़े हुए दोहे के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

घास का अर्थ है पैरों में रहने वाली तुच्छ वस्तु। कबीर अपने दोहे में उस घास तक की निंदा करने से मना करते हैं जो हमारे पैरों के तले होती है। कबीर के दोहे में ‘घास’ का विशेष अर्थ है। यहाँ घास दबे-कुचले व्यक्तियों की प्रतीक है। कबीर के दोहे का संदेश यही है कि व्यक्ति या प्राणी चाहे वह जितना भी छोटा हो उसे तुच्छ समझकर उसकी निंदा नहीं करनी चाहिए। हमें सबका सम्मान करना चाहिए।

प्रश्न 3:

पाठ की तीसरी साखी-जिसकी एक पंक्ति है ‘मनुवाँ तो दहुँ दिसि फिरै, यह तो सुमिरन नाहिं’ के द्वारा कबीर क्या कहना चाहते हैं?

उत्तर:

कबीरदास जी इस पंक्ति के द्वारा यह कहना चाहते हैं कि भगवान का स्मरण एकाग्रचित होकर करना चाहिए। इस साखी के द्वारा कबीर केवल माला फेरकर ईश्वर की उपासना करने को ढोंग बताते हैं।

प्रश्न 4:

“या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय।”

“ऐसी बानी बोलिए मन का आपा खोय।”

इन दोनों पंक्तियों में ‘आपा’ को छोड़ देने या खो देने की बात की गई है। ‘आपा’ किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है? क्या ‘आपा’ स्वार्थ के निकट का अर्थ देता है या घमंड का?

उत्तर:

“या आपा को आपा खोय।” इन दो पंक्तियों में ‘आपा’ को छोड़ देने की बात की गई है। यहाँ ‘आपा’ अहंकार के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। ‘आपा’ घमंड का अर्थ देता है।

प्रश्न 5:

आपके विचार में आपा और आत्मविश्वास में तथा आपा और उत्साह में क्या कोई अंतर हो सकता है? स्पष्ट करें।

उत्तर:

आपा और आत्मविश्वास में तथा आपा और उत्साह में अंतर हो सकता है –

1. आपा और आत्मविश्वास – आपा का अर्थ है अहंकार जबकि आत्मविश्वास का अर्थ है अपने ऊपर विश्वास।
2. आपा और उत्साह – आपा का अर्थ है अहंकार जबकि उत्साह का अर्थ है किसी काम को करने का जोश।

6. कबीर की साखियाँ किस प्रकार के संदेशों को संवादित करती हैं?

उत्तर: कबीर की साखियाँ धार्मिक, नैतिक और सामाजिक संदेशों को सरलता और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करती हैं।

4अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1:

मनुष्य के व्यवहार में ही दूसरों को विरोधी बना लेनेवाले दोष होते हैं। यह भावार्थ किस दोहे से व्यक्त होता है?

उत्तर:

“जग में बैरी कोइ नहीं, जो मन सीतल होय।
या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय।।”

प्रश्न 2:

सभी मनुष्य एक ही प्रकार से देखते-सुनते हैं पर एकसमान विचार नहीं रखते। सभी अपनी-अपनी मनोवृत्तियों के अनुसार कार्य करते हैं। पाठ में आई कबीर की किस साखी से उपर्युक्त पंक्तियों के भाव मिलते हैं, एकसमान होने के लिए आवश्यक क्या है? लिखिए।

उत्तर:

“आवत गारी एक है, उलटत होइ अनेक।
कह कबीर नहिं उलटिए, वही एक की एक।।”
मनुष्य के एक समान होने के लिए सबकी सोच का एक समान होना आवश्यक है।

प्रश्न 3:

बोलचाल की क्षेत्रीय विशेषताओं के कारण शब्दों के उच्चारण में परिवर्तन होता है जैसे वाणी शब्द बानी बन जाता है। मन से मनवा, मनुवा आदि हो जाता है। उच्चारण के परिवर्तन से वर्तनी भी बदल जाती है। नीचे कुछ शब्द दिए जा रहे हैं उनका वह रूप लिखिए जिससे आपका परिचय हो।

ग्यान, जीभि, पाऊँ, तलि, आंखि, बरी।

उत्तर:

ग्यान – ज्ञान
जीभि – जीभ
पाऊँ – पाँव
तलि – तले

आँखि – आँख

बरी – बड़ी

प्रश्न 4:

कबीर के दोहों को साखी क्यों कहा जाता है?

उत्तर:

कबीर के दोहों को साखी इसलिए कहा जाता है क्योंकि इनमें श्रोता को गवाह बनाकर साक्षात् ज्ञान दिया गया है। कबीर समाज में फैली कुरीतियों, जातीय भावनाओं, और बाह्य आडंबरों को इस ज्ञान द्वारा समाप्त करना चाहते थे।

प्रश्न 5:

कबीर की साखियाँ कैसे मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान हैं? इस बात को समझाइए।

उत्तर:

कबीर की साखियाँ मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान हैं। यह साखियाँ मानवीय अद्भुतता, सामाजिक समरसता, और धार्मिक संदेशों को सरलता से समझाती हैं। कबीर के द्वारा प्रस्तुत की गई इन साखियाँ धार्मिक भावनाओं, सच्ची भक्ति के माध्यम से मानवीय सहिष्णुता, समता और ईश्वरीय सन्देशों को समझाती हैं। इन साखियाँ में कई मुख्य विषयों पर विचार किया गया है, जैसे कि ईश्वर, मानवता, समाज, और सच्ची भक्ति। ये संदेश जीवन के मूल्यों, संघर्ष, और समस्याओं को समझाने में मदद करते हैं और लोगों को एक सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। इससे न सिर्फ कबीर की साखियाँ मानवता में एकता और समरसता की भावना को बढ़ावा देती हैं, बल्कि वे जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद करती हैं और सही दिशा दिखाती हैं।

रिक्त स्थान प्रश्न और उत्तर भरें

1. कबीर की साखियाँ मानवता के लिए एक _____ संस्थान हैं।

उत्तर: महत्त्वपूर्ण

2. साखियाँ धार्मिक, सामाजिक, और _____ संदेशों को प्रस्तुत करती हैं।

उत्तर: नैतिक

3. कबीर की साखियाँ मानवीय अद्भुतता और _____ को समझाती हैं।

उत्तर: समरसता

4. इन साखियों में _____ की चर्चा की गई है।

उत्तर: भगवान

5. कबीर की साखियाँ मानवता के सभी _____ को समान रूप से प्रेम करती हैं।

उत्तर: समुदाय

6. साखियों में जातिवाद, _____ और असमानता के खिलाफ संदेश दिया गया है।

उत्तर: असमानता

7. कबीर की साखियाँ लोगों को समाज में _____ बदलाव लाने की प्रेरणा देती हैं।

उत्तर: सकारात्मक

8. इन साखियों के माध्यम से _____ को समझाया जाता है।

उत्तर: धर्म

9. साखियाँ लोगों को सोचने के लिए _____ देती हैं।

उत्तर: प्रेरणा